मार्गदर्शन में प्रमाण पत्र (सी.आई.जी.)
सत्रीय कार्य
जनवरी तथा जुलाई 2024

एन.ई.एस. – 101 : प्राथमिक विद्यालय का बालक : एक अध्ययन

निम्नलिखित मे से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों के विकास के विभिन्न सिद्धान्तों की चर्चा कीजिए।

2. बच्चों में नैतिक विकास के स्वरूप (पैटर्न) तथा इस प्रक्रिया में अभिभावकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

3. उन विभिन्न क्रियाकलापों को विस्तार से बताइये जिनकी योजना विद्यालय में प्रभावी मार्गदर्शन कार्यक्रम के लिए बनायी जा सकती है।

एन.ई.एस.– 102 : संवृद्धि तथा विकास को सुगम बनाना

निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में कीजिए।

1. बच्चों में जनसंचार माध्यम के सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभावों को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

2. ''खेल एक चिकित्सा है।'' खेल के चिकित्सीय प्रयोग के संदर्भ में एक कथन की व्याख्या कीजिए। खेल किस प्रकार बच्चे के शारीरिक, संज्ञानात्मक और सामाजिक–संवेगात्मक विकास की गति को बढ़ाने में मदद करते हैं।

3. प्रभावशाली बच्चों की विशेषताएँ समझाइए। अध्यापक बच्चों में प्रतिभा तथा सृजनात्मकता को संबंधित करने में कैसे मदद कर सकते हैं?

बी.ई.एस.– 103 : बच्चों के अधिगम के लिए मार्गदर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अभिप्रेरणा के संकल्पना की व्याख्या कीजिए। वर्णन कीजिए कि किस प्रकार व्यवहारात्मक, संज्ञानात्मक तथा समानतावादी सिद्धान्त अभिप्रेरणा की व्याख्या करते हैं।

2. बच्चों की अधिगम समस्याओं में सहायता हेतु उपचार कैसे सहायता करता है? किसी एक अधिगम समस्या हेतु एक उपचारात्मक रणनीति का निर्माण कीजिए।

3. अवलोकनात्मक अधिगम की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। बच्चों में अवलोकनात्मक अधिगम बढ़ाने के लिए शिक्षक की भूमिका की चर्चा कीजिए।

बी.ई.एस.– 104 : बच्चों के सामाजिक–संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बाल्यावस्था उपद्रवों के कारणों की उचित उदाहरणों द्वारा चर्चा कीजिए।

2. बच्चों में वाक् दोष के विभिन्न कारणों की व्याख्या कीजिए।

3. बच्चें में चिन्ता तथा भय के कारणों और लक्षणों की चर्चा कीजिए और घर पर तथा विद्यालय में ऐसे विकारों की रोकथाम के लिए उपाय सुझाइए।